भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 406

उत्तर देने की तारीखः 13.1**2**.201**8**

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में छात्राओं की उच्चतर शिक्षा

**406.** श्री राम नाथ ठाकुरः

**क्या** मानव संसाधन विकास मंत्री **यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्राओं को दी जा रही** 12**वीं कक्षा तक की शिक्षा के बाद उनकी उच्च शिक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है;**

**(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ग) क्या सरकार के संज्ञान में यह बात है कि कस्तूरबा विद्यालय में खान-पान के लिए की गई व्यवस्था में भारी गिरावट आई है; और**

**(घ) बिहार में कितने कस्तूरबा विद्यालय चल रहे हैं एवं कुल कितने छात्र पढ़ रहे हैं**?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)

**(क) और (ख): मौजूदा कस्‍तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) वित्‍तीय मानकों, जो समग्र शिक्षा का भाग है, के अनुसार केजीबीवी में 12वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्‍त कर रही बालिकाओं को उच्‍च शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा कोई विशेष प्रावधान नहीं किए गए हैं। पिछले वर्ष तक केजीबीवी 8वीं कक्षा तक थे। समग्र शिक्षा के अन्‍तर्गत इन्‍हें इस वर्ष से 12वीं कक्षा तक बढ़ाया गया है, जिसके लिए राज्‍यों को निधियां प्रदान की जाती हैं। इनमें उच्‍च शिक्षा पूरी करने हेतु बालिकाओं के लिए अनेक छूट/छात्रवृत्‍ति, प्रोत्‍साहन हैं। वे देश में कहीं भी उच्‍च अध्‍ययन हेतु दाखिला लेने के लिए स्‍वतंत्र हैं।**

**(ग): जी, नहीं। यह सत्‍य नहीं है कि कस्‍तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में खान-पान के लिए की गई व्‍यवस्‍था में गिरावट आई है, क्‍योंकि स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने समय-समय पर प्रति बालिका प्रतिमाह1500/- रूपए की दर से अनुरक्षण (खाद्य घटक) हेतु वित्‍तीय मानकों को संशोधित करने का विवेकपूर्ण निर्णय लिया है और अप्रैल, 2014 में मध्‍याह्न भोजन योजना के लिए यथा अनुमोदित उपभोक्‍ता मूल्‍य सूचकांक में अनुक्रमित किया है। समग्र शिक्षा के अन्‍तर्गत राज्‍यों को उनकी स्‍थानीय आवश्‍यकताओं के आधार पर स्‍वयं खाद्य लागत मानक तय करने की पूर्ण स्‍वतंत्रता है।**

**(घ): बिहार राज्‍य में कुल 912 केजीबीवी स्‍वीकृत किए गए हैं। इनमें से 584 केजीबीवी संचालनरत हैं और इनमें 53235 बालिकाएं नामांकित हैं।**

\*\*\*\*\*